न्यूज़ टुडे

भारत ने "ग्लेशियर संरक्षण पर उच्च स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में ग्लेशियरों के संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

'ग्लेशियर संरक्षण पर उच्च स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में यूनेस्को और विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के सहयोग से आयोजित किया गया।

ग्लेशियर क्यों महत्वपूर्ण हैं?

- **ताजे जल के स्रोत:** पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का केवल 3% ताज़ा जल है। इनमें से दो-तिहाई जल ग्लेशियरों में जमा है।
- **नदी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए आवश्यक:** उदाहरण के लिए- हिंदू कुश हिमालय (HKH) की लगभग 54,000 ग्लेशियरें, सिंधु नदी प्रणाली के जल प्रवाह में लगभग 40% का योगदान देती हैं।
- **पृथ्वी की जलवायु का प्राकृतिक आर्काइव:** इन ग्लेशियरों में पृथ्वी के पिछले 8 लाख वर्षों तक की जलवायु के रिकॉर्ड मौजूद हैं। इससे ग्लोबल वार्मिंग और कूलिंग चक्रों को समझने में मदद मिलती है।
- **मानसून को प्रभावित करना:** हिमालय के ग्लेशियर और हिंद महासागर के बीच तापमान में अंतर वास्तव में दक्षिण-पश्चिम मानसून की भारत की मुख्य भूमि में प्रवेश को प्रभावित करती है।

ग्लेशियरों के संरक्षण हेतु उठाए गए कदम

- **भारत में उठाए गए कदम:**
  - **नेशनल मिशन ऑन सस्टेनिंग हिमालयन इकोसिस्टम (NMSHE):** यह भारत की "जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (NAPCC)" का एक प्रमुख मिशन है।
  - **क्रायोस्फीयर और जलवायु परिवर्तन अध्ययन केंद्र:** यह केंद्र भारतीय हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों पर निगरानी रखने एवं इनका अध्ययन करने के लिए स्थापित किया गया है।
  - **आपदा से निपटने के लिए तैयारी:** ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOF) के खतरे वाली जगहों की पहचान की गई है ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।
- **वैश्विक स्तर पर उठाए गए कदम:**
  - **यूनेस्को और WMO की पहल:** वर्ष 2025 को "अंतर्राष्ट्रीय ग्लेशियर संरक्षण वर्ष" और 2025-2034 को "क्रायोस्फेरिक साइंसेज के लिए कार्रवाई का दशक" घोषित किया गया है।
  - **पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौता:** इस समझौते का मुख्य लक्ष्य वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तरों की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के प्रयास करना है।
  - **इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (ICIMOD):** यह एक अंतर-सरकारी संस्था है। इसका उद्देश्य हिंदू कुश हिमालय को संरक्षित रखने के लिए प्रयास करना है।

इजरायल अपने दुश्मन के ड्रोन को लेजर हथियार से मार गिराने वाला पहला देश बना

इजरायल को यह अभूतपूर्व सफलता गाजा में जारी संघर्ष के दौरान मिली है। इजरायली वायुसेना की एरियल डिफेंस एरे ने लेज़र आधारित वायु रक्षा प्रणाली के प्रोटोटाइप का उपयोग करके आधुनिक युद्ध-तकनीक में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

- इस प्रणाली को आयरन बीम सिस्टम का अनुकूलित संस्करण बताया जा रहा है।

आयरन बीम क्या है?

- इसे हिब्रू भाषा में 'मगेन ओर' (Magen Or) के नाम से भी जाना जाता है।
- इसे राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स ने विकसित किया है।
- यह 100 किलोवाट श्रेणी की हाई एनर्जी लेजर वेपन सिस्टम (HELWS) है।
- HELWS एक प्रकार का डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (DEW) है।
  - DEW हथियार प्रणाली किसी लक्ष्य को निष्क्रिय या नष्ट करने के लिए गतिज ऊर्जा की बजाय इलेक्ट्रोमैग्नेटिक या पार्टिकल टेक्नोलॉजी की संकेंद्रित ऊर्जा का उपयोग करती है।

अन्य देशों की डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (DEW) प्रणालियां

- संयुक्त राज्य अमेरिका: हाई एनर्जी लेजर विद इंटीग्रेटेड ऑप्टिकल-डैज़लर एंड सर्विलांस (HELIOS) सिस्टम; डायरेक्टेड एनर्जी मैन्यूवर-शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस (DE M-SHORAD) सिस्टम
- चीन: हरिकेन-3000 और साइलेंट हंटर
- यूनाइटेड किंगडम: ड्रैगनफायर और रेडियो फ्रीक्वेंसी डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (RFDEW)
- रूस: पेरेसवेट (Peresvet) लेज़र IDD&IS
- भारत: DRDO द्वारा विकसित इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम (IDD&IS) Mk2A

- यह प्रणाली कई प्रकार के खतरों को निष्क्रिय कर सकती है, जैसे कि रॉकेट, आर्टिलरी और मोर्टार (RAM), क्रूज मिसाइल, UAVs (ड्रोन), इत्यादि।

HELWS के प्रमुख लाभ निम्नलिखित हैं:

- **सटीक निशाना:** यह प्रणाली लगभग 10 किलोमीटर तक की दूरी पर लक्ष्य को अत्यधिक सटीकता से निशाना बनाकर नष्ट या निष्क्रिय कर देती है। इससे जान-माल और पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचता है।
- **विविध प्लेटफॉर्म से संचालन संभव: इसे बहुस्तरीय रक्षा प्रणाली** के तहत अलग-अलग प्लेटफॉर्म और प्रणालियों के साथ आसानी से एकीकृत किया जा सकता है या फिर अकेले (स्टैंडअलोन) भी संचालित किया जा सकता है।
- **किफायती:** लक्षित हथियार को इंटरसेप्ट करने की औसत लागत लगभग शून्य होती है।
- **अन्य लाभ:**
  - यह प्रकाश की गति से लक्ष्य को निशाना बनाती है,
  - रक्षा बलों और नागरिकों को प्रभावी सुरक्षा प्रदान करती है, आदि।

HELWS की कमियां

- **थर्मल सीमाएं:** इसकी मैगज़ीन क्षमता कम होती है। इसलिए लगातार शॉट्स के बाद ज्यादा गरम हो जाने के कारण सिस्टम को ठंडा होने तक इंतजार करना पड़ता है।
- **अनुकूल मौसम होना जरूरी:** भारी बादल या खराब मौसम में यह प्रणाली प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर सकती है।

भारत की राष्ट्रीय कंप्यूटिंग क्षमता 34,000 GPU को पार कर गई है

इस उपलब्धि से भारत के **इंडियाAI मिशन** को बल मिला है। इंडियाAI मिशन के तहत विकसित की जा रही विस्तारित कंप्यूटिंग क्षमता **साझा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) प्लेटफ़ॉर्म** प्रदान करेगी, जो **प्रशिक्षण और इनफरेंस** के लिए आवश्यक है। यह भारत की दृष्टि से **उपयुक्त स्वदेशी फाउंडेशन मॉडल** विकसित करने के लिए अहम है।

इंडियाAI मिशन के बारे में

- **शुरुआत:** इस मिशन की शुरुआत **2024 में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा** की गई थी।
- **उद्देश्य:** इस मिशन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:
  - कंप्यूटिंग संसाधनों तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करना,
  - डेटा की गुणवत्ता में सुधार करना, और
  - स्वदेशी AI क्षमताओं का विकास करके इनोवेशन को प्रोत्साहित करना।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** MeitY के तहत IndiaAI नामक संस्था।
- **इंडिया AI मिशन के 7 स्तम्भ (पिलर्स) निम्नलिखित हैं:**
  - **इंडियाAI कंप्यूट:** पहले से मौजूद **18,417 सूचीबद्ध ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (GPUs)** के अतिरिक्त हाल ही में **15,916 GPUs** को जोड़ा गया है।
  - **इंडियाAI इनोवेशन सेंटर: स्वास्थ्य-देखभाल, कृषि और संधारणीय शहरों के लिए** नई दिल्ली में **तीन AI उत्कृष्टता केंद्र** (Centres of Excellence) की स्थापना की गई है।
  - **इंडियाAI डेटासेट प्लेटफ़ॉर्म:** 'AI कोष' पर अब तक **367 डेटासेट अपलोड** किए जा चुके हैं।
  - **इंडियाAI एप्लीकेशन डेवलपमेंट पहल:** इसके तहत **सर्वम-1 AI मॉडल नामक** लार्ज लैंग्वेज मॉडल को **भारतीय भाषाओं के लिए प्रशिक्षित** किया गया है।
  - **इंडियाAI स्टार्टअप फाइनेंसिंग:** भारत ने स्वदेशी **फाउंडेशन मॉडल** के विकास के लिए **तीन नए स्टार्टअप का चयन** किया है।
  - **इंडियाAI फ्यूचर स्किल्स**
  - **सुरक्षित एवं विश्वसनीय AI**

AI मॉडल के विकास में चुनौतियां

- कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना के लिए **बड़ी मात्रा में निवेश की आवश्यकता** पड़ती है।
- **लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) विकसित करने पर अधिक ध्यान देने** से AI अनुसंधान की **अन्य संभावना वाले क्षेत्रों की उपेक्षा** हो सकती है।
- पहले के AI मॉडल्स के सामान ही **नए AI मॉडल में भी सुरक्षा, पारदर्शिता, और पूर्वाग्रह परिणाम देने से जुड़ी चिंताएं** मौजूद हैं।
- **उच्च मात्रा में कार्बन उत्सर्जन:** AI मॉडल्स के विकास और संचालन में **अत्यधिक ऊर्जा की आवश्यकता** होती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि होती है। इसी कारण **पेरिस जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन में ऊर्जा-कुशल कंप्यूटिंग AI प्रणालियों के विकास पर विशेष बल** दिया गया।

निष्कर्ष: इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता नैतिक और जवाबदेह AI विकास को बढ़ावा देना है। इसके लिए सरकार द्वारा वित्तपोषित **AI सेफ्टी संस्थानों की स्थापना** की जा सकती है।

पूर्वोत्तर और कर्नाटक में भूस्खलन की घटनाओं में कई लोगों की मौत हो गई

- भूस्खलन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके परिणामस्वरूप चट्टान, मिट्टी, मलबा सहित **ढलान-बनाने वाली सामग्रियां नीचे और बाहर की ओर** संचलन करती हैं। भूस्खलन के लिए जिम्मेदार **प्राथमिक कारक गुरुत्वाकर्षण** होता है। यह ढलान के उस हिस्से पर कार्य करता है, जो संतुलन से बाहर होता है।
  - भूस्खलन को आम तौर पर **संचलन के प्रकार** (स्लाइड, फ्लो, स्प्रेड, टॉपल या फॉल) और **संचलन सामग्री के प्रकार** (शैल, मलबा या मिट्टी) के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है।

भूस्खलन के लिए जिम्मेदार कारण

- **प्राकृतिक कारण:** भूमिगत जल का दबाव, भूकंप, मूसलाधार, ज्वालामुखी उद्गार, भारी वर्षा, आदि।
- **मानव जनित गतिविधियां:** वनों की कटाई; निर्माण कार्य के दौरान मशीनरी के उपयोग या यातायात से कंपन, सुरंग निर्माण, आदि।

भारत में भूस्खलन के खतरे वाले क्षेत्र

- इसरो के '**भारत के भूस्खलन एटलस**' के अनुसार, भारत **भूस्खलन से सबसे अधिक खतरे वाले विश्व के शीर्ष चार देशों में शामिल** है।
- **देश के कुल भौगोलिक भूमि क्षेत्रफल का लगभग 12.6 प्रतिशत यानी 0.42 मिलियन वर्ग किलोमीटर क्षेत्र भूस्खलन के प्रति सुभेद्य** है (मानचित्र देखें)। इस **क्षेत्र में बर्फ से ढके क्षेत्र शामिल नहीं हैं**।
- भारत में जितनी भी भूस्खलन घटनाएं घटित होती हैं, उनमें से **66.5% उत्तर-पश्चिमी हिमालय** में घटित होती हैं। इसके बाद **पूर्वोत्तर हिमालय (18.8%) और पश्चिमी घाट (14.7%)** में घटित होती हैं।

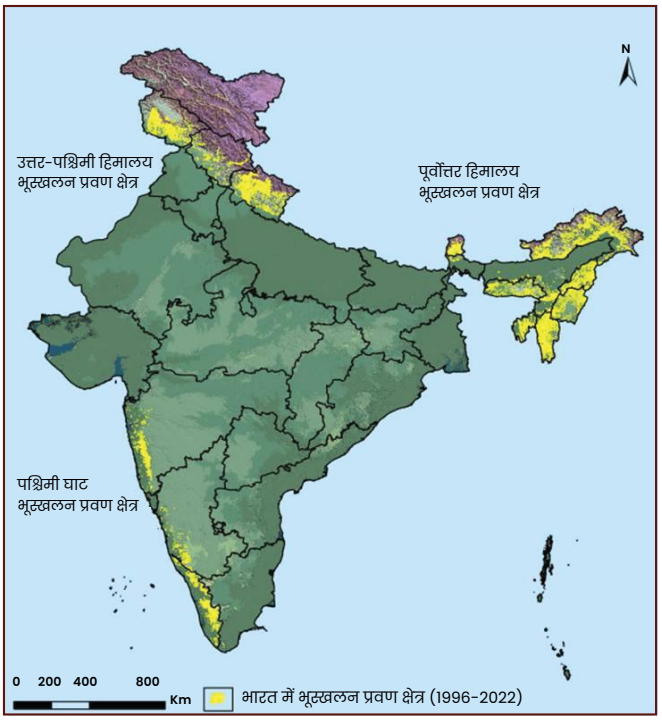

भूस्खलन की घटनाओं को रोकने के लिए शुरू की गई पहलें/ रणनीति

- **राष्ट्रीय भूस्खलन जोखिम प्रबंधन रणनीति (2019):** इसमें **भूस्खलन के खतरे वाले क्षेत्र की मैपिंग, निगरानी और प्रारंभिक-चेतावनी प्रणाली की स्थापना** आदि शामिल हैं।
- **NDMA द्वारा भूस्खलन जोखिम शमन योजना (LRMS):** राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) की इस योजना के अंतर्गत साइट विशिष्ट भूस्खलन शमन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- **राष्ट्रीय भूस्खलन-आशंकित मानचित्रण (NLSM):** इसके तहत देश में भूस्खलन के खतरे वाले क्षेत्रों का **जियो-डेटाबेस तैयार** किया जाता है और इसे नियमित रूप से अपडेट किया जाता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 'एकात्म मानववाद' दर्शन की 60वीं वर्षगांठ मनाई गई

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्म 25 सितंबर, 1916 को हुआ था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद उन्होंने देश को दिशा देने वाले भारतीय दृष्टिकोण को आधार बनाकर **'एकात्म मानववाद'** का सिद्धांत प्रस्तुत किया।

एकात्म मानववाद (Integral Humanism) क्या है?

- **यह दर्शन निम्नलिखित तीन सिद्धांतों पर आधारित है;**
  - समष्टि की प्रधानता,
  - धर्म की सर्वोच्चता, और
  - समाज की स्वायत्तता।
- यह दर्शन **एकता और सद्भाव पर बल देता है।**
- यह **शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा को समान महत्व** देने की बात करता है। वास्तव में इन **चारों का संतुलित विकास ही सार्थक जीवन का आधार** माना गया है।
  - एकात्म मानववाद के सिद्धांत के अनुसार, प्रत्येक देश की एक विशिष्ट संस्कृति और सामाजिक मूल भावना होती है, जिसे **'चिति'** कहा जाता है। इसके साथ ही, प्रत्येक समाज की कुछ विशेष संरचनात्मक विशेषताएं होती हैं, जिन्हें **'विराट'** के रूप में जाना जाता है।

एकात्म मानववाद की समकालीन प्रासंगिकता

- **सहभागिता आधारित शासन-प्रणाली:** इस दर्शन के अनुसार **परिवार से लेकर शासन तक, सभी संस्थाएं समुचित और समन्वित ढंग से** संचालित होनी चाहिए।
- **आत्मनिर्भर और विकेंद्रीकृत आर्थिक मॉडल:** इसमें **गांव को विकास का केंद्र** माना गया है।
- **नीति निर्माण: अंत्योदय** का विचार और **सर्वजन हिताय** की भारतीय परंपरा को इस दर्शन के मूल में रखा गया है।
- **संधारणीय उपयोग:** यह दर्शन श्रम, प्राकृतिक संसाधनों और पूंजी का ऐसा संतुलित उपयोग करने पर बल देता है जिससे **हर व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर** मिल सके।
- **पर्यावरणीय न्याय:** यह **संधारणीय तरीके से प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग** और **डीप इकोलॉजी** के सिद्धांतों को बढ़ावा देता है।
  - डीप इकोलॉजी एक प्रकार का पर्यावरणीय दर्शन है जो प्रकृति को केवल मानव उपयोग के संसाधन के रूप में नहीं, बल्कि उसकी स्वाभाविक एवं अंतर्निहित मूल्य के साथ अस्तित्वमान मानता है।
- **सांस्कृतिक विरासत:** यह भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और उसे बढ़ावा देने का समर्थन करता है।

प्रधान मंत्री ने कहा कि सरकार "महिला के नेतृत्व वाले विकास" को शासन का आधार बना रही है

हाल ही में प्रधान मंत्री ने **लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती** पर आयोजित **महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन** को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार ने **'महिला के नेतृत्व वाले विकास को राष्ट्रीय प्रगति की नींव'** बना दिया है।

'महिला विकास' बनाम 'महिला के नेतृत्व में विकास'

पहलू	महिला विकास	महिला के नेतृत्व में विकास
मूल दर्शन	कल्याणकारी योजनाओं की लाभार्थी केवल महिलाएं	महिलाएं बदलाव की सक्रिय भागीदार और नेतृत्वकर्ता होती हैं
मुख्य उद्देश्य	महिलाओं को सुविधाएं प्रदान करना	नेतृत्वकारी भूमिका के लिए महिलाओं को सक्षम बनाना
महिलाओं की भूमिका	महिलाएं सहायता प्राप्त करने वाली लाभार्थी होती हैं	महिलाएं परिवर्तन की भागीदार और निर्णय प्रक्रिया का अंग होती हैं
तरीका या अप्रोच	योजनाओं का लाभ सरकार से लाभार्थी तक पहुंचना (टॉप-डाउन अप्रोच), जैसे- आश्रय के लिए सहायता	जमीनी स्तर पर महिलाओं की भागीदारी और उन्हें नेतृत्व प्रदान करना, जैसे- संपत्ति में स्वामित्व अधिकार देना

समाज के लिए 'महिला के नेतृत्व में विकास' का महत्व

- **आर्थिक सशक्तीकरण:** राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) के अनुसार, यदि **लैंगिक समानता को बढ़ावा** दिया जाए तो **भारत की GDP में लगभग 30% तक की वृद्धि** संभव है।
- **लैंगिक समानता:** नेतृत्वकारी भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी उन्हें **समाज में रोल-मॉडल** के रूप में स्थापित कर सकती है, जिससे पारंपरिक सामाजिक मानदंडों में महिलाओं की भूमिका और क्षमता को लेकर सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है।
  - उदाहरण के लिए: **ऑपरेशन सिंदूर अभियान के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह** की नेतृत्वकारी भूमिका ने महिलाओं के बारे में पारंपरिक सोच में बदलाव लाकर बहुत लोगों को प्रेरित किया है।
- **समावेशी विकास:** यह **आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक प्रगति** को शासन के सभी स्तरों पर सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है, साथ ही शासन व्यवस्था में महिलाओं की क्षमता का प्रभावी रूप से उपयोग करता है।
- **खादी क्षेत्र में 80% से अधिक कारीगर महिलाएं हैं,** जबकि **रेशम उत्पादन से जुड़े कुल कार्यबल में 50% से अधिक महिलाएं हैं।**

अन्य सुर्खियां

एशियाई विकास बैंक (ADB)

एशियाई विकास बैंक (ADB) ने **भारत के शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने** और मेट्रो नेटवर्क के विस्तार के लिए **10 अरब डॉलर के वित्तपोषण की प्रतिबद्धता** जताई है।

- इसके अतिरिक्त, ADB **भारत के अर्बन चैलेंज फंड** के तहत निजी निवेश को बढ़ावा देने में भी सहायता करेगा।

एशियाई विकास बैंक (ADB) के बारे में:

- यह संगठन एशिया और प्रशांत क्षेत्र में **समावेशी, मजबूत (चुनौती सहने में सक्षम) और सतत विकास** को प्रोत्साहित करता है।
- **वर्तमान सदस्य: 1966 में ADB की स्थापना** के समय इसके 31 सदस्य थे। अब यह संख्या बढ़कर 69 हो गई है। इनमें से **50 एशिया और प्रशांत क्षेत्र** से हैं और 19 अन्य क्षेत्रों के हैं।
- **मुख्यालय:** ADB का मुख्यालय **फिलीपींस** की राजधानी **मनीला** में है।
- **ADB के पांच सबसे बड़े शेयरधारक (31 दिसंबर, 2023 तक):** जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका (प्रत्येक के पास कुल शेयरों का 15.6%), चीन (6.4%), भारत (6.3%) और ऑस्ट्रेलिया (5.8%)।

गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन

संयुक्त राष्ट्र के कुछ अधिकारियों ने हाल ही में आरोप लगाया है कि **संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल** द्वारा समर्थित 'गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन' का गठन सहायता के नाम पर गाजा में **भुखमरी को छिपाने के लिए** किया गया है। एजेंसियों ने इस कार्रवाई को **"ऐड-वाशिंग"** की संज्ञा दी है।

गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के बारे में:

- यह **स्विट्ज़रलैंड की एक चैरिटेबल संस्था** है। इसकी स्थापना **2025 में कानूनी रूप "स्टिफ्टंग" के तहत** हुई थी।
  - यह संस्था **स्वास्थ्य-देखभाल, मानवीय और आपदा राहत, गैर-लाभकारी और धर्मार्थ जैसे कई अन्य उद्देश्यों के लिए अनुदान** प्रदान करती है।
- यह **संयुक्त राष्ट्र की संस्था नहीं** है।
- **मुख्य चिंताएं:**
  - यह संस्था सहायता वितरण में निष्पक्षता, तटस्थता, मानवता और स्वतंत्रता के **सिद्धांतों का उल्लंघन** करती है।
  - मानवीय सहायता को **राजनीतिक हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए** और **न ही उसका प्रयोग किसी भ्रामक उद्देश्य के लिए** किया जाना चाहिए।

असम में नवपाषाणकालीन आवास

दाओजली हैडिंग पॉइंट पर मिले भट्ठी और लौह अवशेष नवपाषाण काल की प्रारंभिक धातुकर्म का प्रमाण देते है।

दाओजली हेडिंग:

- यह एक **नवपाषाण कालीन स्थल** है, जो **असम के दीमा हसाओ जिले** में, ब्रह्मपुत्र घाटी के पास स्थित है।
- भारत में पहली बार **पूर्वी एशियाई नवपाषाण संस्कृति के डबल शोल्डर्ड केल्ट** और **रस्सी जैसी डिजाइन वाले मृदभांड** के प्रमाण यहीं से प्राप्त हुए है।

नवपाषाण काल (लगभग 6000 ईसा पूर्व से 1000 ईसा पूर्व):

- यह **पाषाण युग का अंतिम चरण** था।
- इस काल में **कृषि का विकास, पॉलिश किए हुए पत्थर** और **अधिक परिष्कृत औजारों** का प्रयोग शुरू हुआ।

अन्य नवपाषाण स्थल:

- **कश्मीर:** बुर्जहोम, गुफ्फकराल और कनिसपुर।
- **गंगा घाटी:** चोपानीमांडो, कोल्डिहवा, लहुरादेव और महागरा।

ऑपरेशन स्पाइडर वेब

यूक्रेन ने "ऑपरेशन स्पाइडर वेब" के तहत **रूस पर अपने सबसे बड़े ड्रोन हमले को अंजाम** दिया है। इसे **रूस-यूक्रेन युद्ध में अब तक का सबसे विध्वंसक हमला** बताया जा रहा है।

ऑपरेशन स्पाइडर वेब के बारे में:

- यह अभियान **यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (SBU)** द्वारा संचालित किया गया।
- इस ऑपरेशन में **FPV (फर्स्ट-पर्सन व्यू) ड्रोन का उपयोग करके रूसी वायुसेना के सामरिक बमवर्षक विमानों को निशाना** बनाया गया।
- इस ऑपरेशन के तहत **चार प्रमुख रूसी एयरबेस पर हमले की योजना बनाई गई थी। इनमें से** एक था: **साइबेरिया के इरकुत्स्क क्षेत्र में स्थित बेलाया एयरबेस।**
- **FPV/रिमोट पर्सन व्यू (RPV) ड्रोन क्या होते हैं?**
  - ये **मानवरहित हवाई वाहन** (UAVs) होते हैं।
  - ड्रोन पर लगे कैमरा फ़ीड को रीयल-टाइम में ऑपरेटर के चश्मों (goggles) में स्ट्रीम किया जाता है, जिससे वो ड्रोन को मानो खुद से नियंत्रित कर रहा हो।
  - ये हमले **सटीक, लो-प्रोफाइल और उच्च गतिशीलता** के लिए जाने जाते हैं।

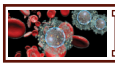

अर्जित प्रतिरक्षा (Acquired Immunity)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मुख्य वैज्ञानिक ने कहा है कि **पिछले कुछ वर्षों में लोगों में जो रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हुई है**, उसके कारण **कोविड-19 से डरने की आवश्यकता नहीं है।**

अर्जित प्रतिरक्षा के बारे में

- इसे **अनुकूली प्रतिरक्षा के रूप में भी जाना** जाता है। यह **एक प्रकार की प्रतिरक्षा** प्रणाली है जो किसी **विशिष्ट एंटीजन, जैसे कि रोगज़नक़ या वैक्सीन के संपर्क में आने** के बाद विकसित होती है।
- जन्मजात प्रतिरक्षा (जन्म से मौजूद) के विपरीत, यह तब विकसित होती है **जब किसी व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली बाहरी रोगजनकों और एंटीजन** से लड़ती है।
- इसे **विशिष्ट प्रतिरक्षा** भी कहा जाता है, क्योंकि यह किसी **एक विशेष एंटीजन के खिलाफ विशेष प्रतिक्रिया** करती है।
- अर्जित प्रतिरक्षा के लिए जिम्मेदार **श्वेत रक्त कोशिकाएं लिम्फोसाइट्स** (T कोशिकाएं और B कोशिकाएं) हैं।

ऑपरेशन शील्ड

भारत ने 'ऑपरेशन शील्ड' के तहत **सीमावर्ती क्षेत्रों में संभावित बाहरी खतरों से निपटने की तैयारियों का आकलन** करने के लिए **व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित** किए।

ऑपरेशन शील्ड के बारे में:

- **उद्देश्य:** बाहरी खतरों की स्थिति में देश की तैयारियों का जायजा लेना और उसे मजबूत करना।
- इस ड्रिल के दौरान **दुश्मन के हवाई हमलों, ड्रोन हमले, मिसाइल हमलों और सामूहिक रूप से निकासी जैसी अलग-अलग आपातकालीन स्थितियों से बचने के तरीके का अभ्यास** किया गया।
- **ड्रिल में शामिल प्रमुख गतिविधियां थीं:**
  - सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों को आपात स्थिति और सामान्य स्थिति में बुलाना या तलब करना।
  - संकट के समय निकासी का अभ्यास करना।
  - आपातकालीन संचार प्रणाली का परीक्षण करना।

सैटेलाइट कम्युनिकेशन

भारत के निजी टेलीकॉम ऑपरेटर्स ने सैटेलाइट आधारित संचार नेटवर्क के मूल्य निर्धारण के बारे में चिंता जताई है।

सैटेलाइट कम्युनिकेशन (सैटकॉम) के बारे में

- **सैटेलाइट कम्युनिकेशन** का मतलब है ऐसा कोई भी संचार, जिसमें **कृत्रिम उपग्रह** का उपयोग सिग्नल भेजने के लिए किया जाता है।
- यह **एक प्रकार की वायरलेस संचार प्रणाली** है, जिसमें **उपग्रह एक रिले स्टेशन** की तरह काम करता है और धरती के दूर-दराज के इलाकों में भी डेटा पहुंचाने में मदद करता है।
- **मुख्य विशेषताएं:**
  - **लंबी दूरी की संचार व्यवस्था** को संभव बनाता है।
  - **रेडियो फ्रीक्वेंसी** पर कार्य करता है।
  - **दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों सहित वैश्विक कवरेज** प्रदान करता है, आदि।
- **सैटकॉम द्वारा आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली कक्षाएं:**
  - निम्न भू कक्षा (LEO),
  - मध्यम भू कक्षा (MEO), और
  - भू-स्थैतिक उपग्रह कक्षा (GSO) हैं।

व्यक्तित्व का अधिकार

दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में **ईशा फाउंडेशन के संस्थापक** के **'व्यक्तित्व का अधिकार'** और **प्रचार का अधिकार (Publicity Rights)** की रक्षा करते हुए एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है।

व्यक्तित्व का अधिकार क्या है?

- भारत में **'व्यक्तित्व के अधिकार' को किसी कानून में परिभाषित नहीं** किया गया है।
- ये अधिकार आमतौर पर **दो प्रकार के होते हैं:**
  - **प्रचार का अधिकार**– संविधान के अनुच्छेद 19 के अंतर्गत;
  - **निजता का अधिकार (Right to Privacy)** – संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत।
- सरल शब्दों में कहें तो, यह अधिकार किसी व्यक्ति को **अपने नाम, छवि और पहचान की रक्षा करने** और उस पर **नियंत्रण रखने का अधिकार** देता है।

व्यक्तित्व के अधिकार को **ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999; कॉपीराइट अधिनियम, 1957** जैसे कानूनों के तहत सुरक्षा प्रदान की जाती है।

सुर्ख़ियों में रहे व्यक्तित्व

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर (1725 - 1795)

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर को उनकी **300वीं जयंती** पर देशवासियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

अहिल्याबाई होल्कर के बारे में

- वे **मालवा राज्य के होल्कर वंश की रानी** थीं। उन्हें **"दार्शनिक रानी"** के रूप में जाना जाता है।
- **प्रारंभिक जीवन:**
  - **जन्म:** चोंडी गाँव, अहमदनगर (महाराष्ट्र) में हुआ।
  - **विवाह:** मल्हार राव होल्कर से हुआ, जो मालवा क्षेत्र के शासक थे।
- **शाही उत्तराधिकार:** पेशवा ने अहिल्याबाई को मालवा का शासन सौंपा। 1767 में वे **इंदौर की शासिका** बनी।

मुख्य योगदान

- उन्होंने **महेश्वर में एक कपड़ा उद्योग की स्थापना** की, जो आज महेश्वरी साड़ियों के लिए प्रसिद्ध है।
- **मंदिर निर्माण और जीर्णोद्धार:**
  - रानी ने 12 ज्योतिर्लिंगों में से दो का निर्माण कराया था।
  - काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया।
  - गुजरात में पुराने (जूना) सोमनाथ मंदिर का निर्माण कराया, जो अहिल्याबाई मंदिर नाम से प्रसिद्ध है।
  - हरिद्वार, काशी, सोमनाथ और रामेश्वरम जैसे तीर्थस्थलों पर भी मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया।
- **स्थापत्य कला:** नर्मदा नदी के किनारे महेश्वर किला (अहिल्या किला) का निर्माण करवाया।
- उन्होंने एक **महिला सेना** का भी गठन किया, जो राज्य की रक्षा, कानून व्यवस्था और **महिला सशक्तिकरण** का प्रतीक बनी।